आर्थिक सुधारों के बाद राज्यों में तेजी से प्रगति

कोलकाता, 3 फरवरी (नि.प्र.)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत में तेज़ राष्ट्रीय आर्थिक विकास के बावजूद विभिन्न राज्यों के बीच विकास की गति में स्पष्ट असमानता बनी हुई है। उन्होंने यह बात द कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर सान्याल ने भारत की आर्थिक स्थिति, राज्यों के बीच विकास अंतर और केंद्रीय बजट 2026-27 के प्रमुख पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। सेमिनार की अध्यक्षता कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अनंत सहारिया ने की। कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि, राजनयिक, अर्थशास्त्री और उद्यमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सान्याल ने बताया कि वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद दक्षिण भारत के राज्यों ने तेज़ी से प्रगति की है और वर्तमान

में वे भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहे हैं। वहीं, पूर्वी और कुछ उत्तरी राज्यों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। उन्होंने पूर्वी भारत में धीमी प्रगति के लिए कोलकाता के औद्योगिक केंद्र के रूप में दीर्घकालिक पतन और बुनियादी ढांचे के अपेक्षाकृत धीमे विकास को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए एंकर सिटी (प्रमुख विकास केंद्र शहरों) के निर्माण पर ज़ोर दिया और बेंगलुरु, हैदराबाद तथा मुंबई-पुणे कॉरिडोर को सफल उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा करते हुए सान्याल ने पूंजी निवेश आधारित विकास मॉडल का समर्थन किया और राजकोषीय अनुशासन (फिस्कल कंसोलिडेशन) की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राजकोषीय घाटा कम करने के प्रयासों, बुनियादी ढांचे में बढ़े हुए निवेश, एसेट मोनेटाइजेशन और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियों की सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि एक गतिशील अर्थव्यवस्था में व्यावसायिक असफलता को स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।